हम परमेश्वर से बातें करते है जैसा दानियेल ने किया

वे जो बच्चों को सिखाते हैं उन्हें अध्ययन P6b पढ़ना चाहिये

प्रार्थना: "स्वर्गीय पिता, कृपया मुझे आपके झुण्ड की अगुवाई करने हेतू बुद्धि और विश्वासयोग्यता दीजिये जिससे आपको खोज सकूं और हर आवश्यकता के लिये आप से बातें कर सकूं"

1. विश्वास के साथ प्रार्थना करने के लिये अपने झुण्ड की अगुवाई करने हेतू अपने ह्रदय को तैयार करो।

इन हर एक विश्वासियों ने जिस प्रकार परमेश्वर से प्रार्थना की बाइबल में से ढूंढे कुछ उनके विषय विभिन्नताएं लिखें।

दानिय्येल

सुलेमान 2 इतिहास 6:12–17

याबेस, 1 इतिहास 4:9 और 10

हन्ना, 1 शमुएल 1:9–13

दाऊद, 2 शमुएल 7:18–22

दानियेल, दानियेल 9:3–19

मसीही, प्रेरित 4:24–30

नोट करें: हम परमेश्वर से प्रार्थना खड़े होकर, बैठकर घुटने टेक कर या नीचे लेट कर अपनी आवाज से या खामोशी से कर सकते हैं।

बाइबल में ढूंढें: कि परमेश्वर हमसे कैसे चाहता कि प्रार्थना करें।

- गुप्त में, मत्ती 6:5–81 नोट करें: मसीहियों को हमेशा इसप्रकार प्रार्थना करनी चाहिये कि वे देखे और परमेश्वर के द्वारा सुने जा सकें कभी भी दुसरे लोगों के द्वारा ना देखे और ना सुने जायें।
- दूसरों को क्षमा करें, मत्ती 6:9–15 नोट करें: मसीही लोग बहुत सी गलतियां और पाप करते हैं इसलिये उन्हें परमेश्वर के द्वारा क्षमा किये जाने के लिये प्रार्थना करनी चाहिये, पर परमेश्वर हमें उस समय क्षमा करता जब हम उन्हें जिन्होंने हमारे विरूद्ध किया उन्हें हम क्षमा करते।
- पश्चत्ताप के साथ, लूका 18:10–14 नोट करें: कोई भी इतना भला नहीं कि परमेश्वर से प्रार्थना का उत्तर कर सके, तो जब हम प्रार्थना करते तो कभी भी मन में विचार ना लायें कि हम कितने अच्छे, भले हैं बल्कि अपनी गलतियों को मान लेना चाहिये।
- एक समर्पित पत्नी की तरह और एक सज्जन पति की नाई, 1 पतरस 3:1–9 नोट करें: जिस प्रकार हम अपने जीवन साथी के साथ व्यवहार करते उसी प्रकार परमेश्वर हमसे बर्ताव करेगा।
- धन्यवाद के साथ, 1 थिस्सलुनी 5:16–18 नोट करें: परमेश्वर सर्वदा भला है और हमारी निष्कपट प्रार्थना का उत्तर हमारी भलाई के लिये देता है।

बाइबल में खोजिये कि मसीहि प्रार्थना दूसरे धर्म की प्राथनाओं से किस प्रकार भिन्न हैं:

- यीशु का नाम प्रयोग कर, युहन्ना 15:16;16:24
- पवित्र आत्मा के द्वारा, यहूदा 20 और 21
- परमेश्वर को "पिता" कह कर, मत्ती 6:9

बाइबल के हिस्सों में से ढूंढ़िये और लिखें कि परमेश्वर विश्वासियों से क्या चाहता है कि वे उससे मांगें:

मत्ती 6:9–13
प्रेरित 4:27–30
इफिसियों 1:15–20
याकूब 1:2–5
याकूब 5:13–16

नीचे दिये गये को पता करने और लिखने के लिये दानिएल 6 पढ़ें

- 6:1–4 पदों में दारा राजा के अधिकारी क्यों दानियेल से जलन रखते थे।
- पद 5–9 में–दानियेल को मार डालने की गवर्नर की योजना
- पद 10–11 में जब दानियेल को उनके षडयंत्र का पता चला तब दानियेल ने क्या किया।
- पद 12–15 में कैसे बुरे (दुष्ट) लोगों ने राजा को राजी कर लिया
- पद 16–22 में परमेश्वर ने दानियेल को बचाने के लिये क्या किया
- पद 23–24 में दुष्ट लोगों के साथ दारा राजा ने क्या किया।
- पद 25–28 में परमेश्वर की महिमा करने के लिये राजा दारा ने क्या किया।

सिंहों के बीच दानियेल

2. अपने सह कर्मियों के साथ अगामी सप्ताह की गतिविधियों की योजना बनायें।

कलीसिया के उन सदस्यों से जो जरूरतमन्द हैं उन के साथ प्रार्थना करने के लिये उनसे मुलाकात करने का प्रबन्ध करें।

उन स्थानो से गुज़रें जहाँ थोड़े या कोई मसीही नहीं हैं, और उनके साथ प्रार्थना करें। परमेश्वर से मांगे कि उन्हें आशीष दे और दिखाये कि कौनसे घर सुसमाचार पर विश्वास करने को तैयार हैं।

नये विश्वासियों के यहाँ जायें और उन्हें दिखायें कि किस प्रकार अकेले (गुप्त में) और परिवारिक रूप में प्रतिदिन प्रार्थना करना है।

3. अपने सह कर्मियों के साथ आगे आने वाली आराधना की योजना बनायें।

ऐसी गतिविधियों को चुने जो हाल की आवश्यकताओं और स्थानीय रीति रिवाजों में सही बैठती हों।

दानियेल के अध्याय 6 से दानियेल की कहानी का सम्बन्ध दिखाओ या उस पर नाटक करो।

आपने भाग 1 में क्या पाया उसके विषय प्रश्न पूछिये।

बच्चों को नाटक (ड्रामा) प्रस्तुत करने दें, और साथ ही जो कविताएं और प्रश्न उन्होंने तैयार किये हैं।

मत्ती 6:9-13 में जो प्रार्थना यीशु ने सिखाई हैं उसे मंडली से कहें कि साथ साथ बोले

बाइबल के जो हिस्से भाग 1 में हैं उन्हें समझाते हुए झुण्ड को प्रार्थना करना सिखायें, और जिन वस्तुओं की उन्हें आवश्यकता है प्रार्थना में अगुवाई करें

विश्वासियों को प्रोत्साहित करें कि वे प्रतिदिन अकेले या परिवारिक रूप से प्रार्थना करें।

कंठस्थ करें: 1 थिस्सलुनी 5:17 "लगातार प्रार्थना में लगे रहें"।

प्रभु भोज का परिचय कराने के लिये: दानियेल के अध्याय 1 से बतायें कि किस प्रकार दानियेल के तीनो मित्रों ने उस समय की परमेश्वर की व्यवस्था में जो मनाई है, बेहतर भोजन को चुना। समझायें कि हम प्रभु भोज में सब से उत्तम भोजन खाते हैं।

विश्वासियों से प्रार्थना करने को कहें, कि परमेश्वर को यीशु के लिये धन्यवाद दें, जो जीवन की रोटी है, उसके लहू के लिये जो सब पापों से युद्ध करता है, और उन सभी भली वस्तुओं के लिये जिसे उन्होंने परमेश्वर से प्राप्त की हैं।